जनता जनार्दन
समय के साथ सबसे आगे

उपराष्ट्रपति नायडू का वादा पूरा, भारतीय साहित्य की 10 महान कृतियों का चीनी, रूसी भाषा में अनुवाद पूर्ण

जनता जनार्दन संवाददाता , Dec 01, 2020, 12:22 pm IST
Keywords: great Inadian literature Chinese language Russian language sahitya akademy साहित्य अकादेमी उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू चीनी अनुवाद रूसी अनुवाद भारतीय साहित्य अनुवाद के श्रीनिवासराव

शेयर करें | फ़ॉन्ट साइज़ : T | T | Like 6 | Tweet

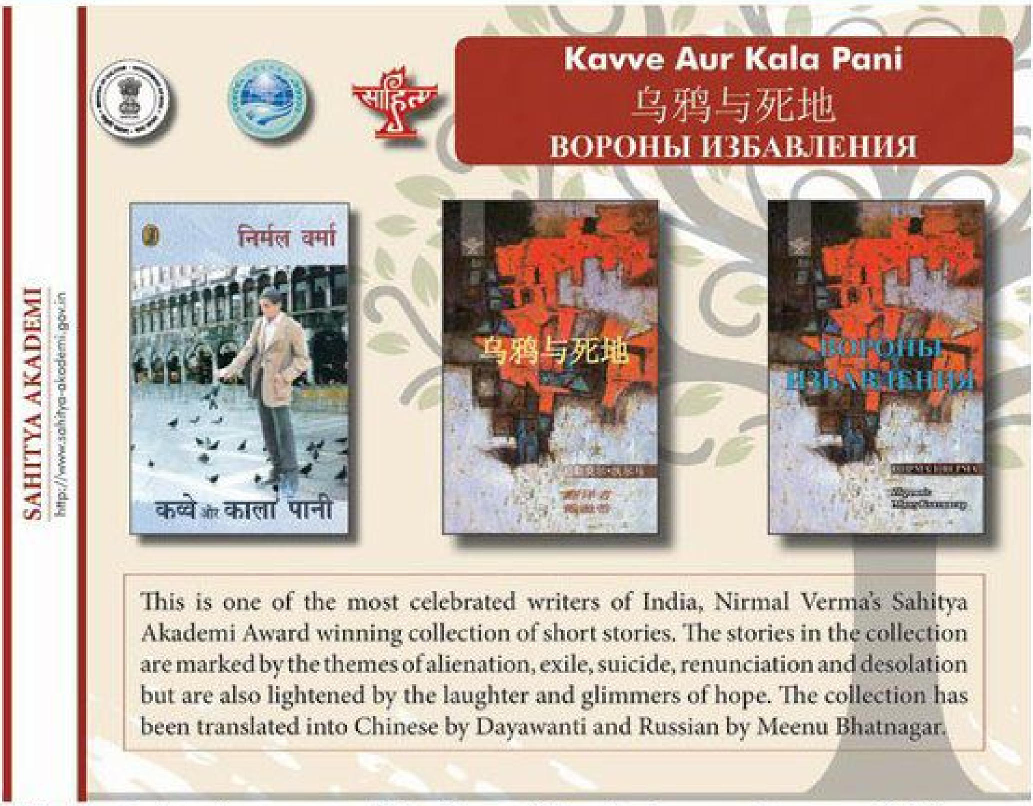

नई दिल्ली: शंघाई सहयोग सगठन (एससीओ) की आभासी बैठक के दौरान भारत के उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने आधुनिक भारतीय साहित्य की 10 कालजयी कृतियों के चीनी तथा रूसी अनुवादों के पूर्ण होने की घोषणा की. यह घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय क्षेत्रीय साहित्य की इन अद्वितीय कृतियों के चीनी तथा रूसी भाषाओं में अनुवाद से भारत की प्राचीन और समृद्ध भारतीय सांस्कृतिक विरासत में दूसरे देशों के लोगों की व्यापक रुचि उत्पन्न होगी.

ज्ञात हो कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जून 2019 में कजाकिस्तान की राजधानी बिश्केक में हुए एससीओ शिखर सम्मेलन में घोषणा की थी कि भारतीय भाषाओं की 10 महान कृतियों का चीनी तथा रूसी भाषा में अनुवाद किया जाएगा. तदनुसार] साहित्य अकादेमी ने आधुनिक भारतीय साहित्य से 10 भारतीय भाषाओं की 10 कृतियों का चयन किया तथा इनका चीनी तथा रूसी अनुवाद प्रकाशित किया.

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 10 नवंबर 2020 को एससीओ प्रमुखों की आभासी बैठक में साहित्य अकादेमी द्वारा इनके अनुवाद पूर्ण किए जाने की घोषणा की थी. साहित्य अकादेमी ने इस अवसर पर इन पुस्तकों के अंग्रेज़ी संस्करणों का भी पुनर्मुद्रण किया है.

साहित्य अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव की विज्ञप्ति के अनुसार चीनी तथा रूसी भाषाओं में अनूदित ये भारतीय कृतियाँ हैं - सुरुजमुखीर स्वप्न, ले. सैयद आब्दुल मालिक (असमिया) ,आरोग्य निकेतन, ले. ताराशंकर बंद्योपाध्याय (बाङ्ला), वेविशाल, ले. झवेरचंद मेघाणी (गुजराती), कव्वे और काला पानी, ले. निर्मल वर्मा (हिंदी), पर्व ,ले. एस.एल. भैरप्पा (कन्नड), मनोज दासंक कथा ओ काहाणी, ले. मनोज दास (ओड़िया), मढ़ी दा दीवा, ले. गुरदयाल सिंह (पंजाबी), शिल नेरंगळिल शिल मणितर्कळ, ले. जयकांतन (तमिळ) इल्लु, ले. राचाकां डा विश्वनाथ शास्त्री (तेलुगु) और एक चादर मैली सी, ले. राजिन्दर सिंह बेदी (उर्दू).

अनुवाद से देश की प्राचीन विरासत विदेशों तक पहुंचेगी : वेंकैया नायडू

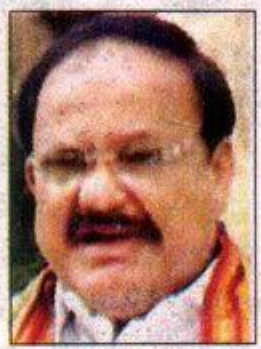

नई दिल्ली, 30 नवम्बर(नवोदय टाइम्स): शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की आभासी बैठक के दौरान सोमवार को उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने आधुनिक भारतीय साहित्य की 10 कालजयी कृतियों के चीनी तथा रूसी अनुवादों के पूर्ण होने की घोषणा की। यह घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय क्षेत्रीय साहित्य की इन अद्वितीय कृतियों के चीनी तथा रूसी भाषा में अनुवाद से भारत की प्राचीन और समृद्ध भारतीय सांस्कृतिक विरासत में दूसरे देशों के लोगों की व्यापक रुचि उत्पन्न होगी। बता दें इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जून 2019 में कजाकिस्तान की राजधानी बिश्केक में हुए एससीओ शिखर सम्मेलन में घोषणा की थी कि भारतीय भाषाओं की 10 महान कृतियों का चीनी तथा रूसी भाषा में अनुवाद किया जाएगा। तदनुसार साहित्य अकादमी ने आधुनिक भारतीय साहित्य से 10 भारतीय भाषाओं की 10 कृतियों का चयन किया तथा इनका चीनी तथा रूसी अनुवाद प्रकाशित किया। चीनी तथा रूसी भाषाओं में अनूदित ये भारतीय कृतियां हैं, सूरुजमुखीर स्वप्न ले. सैयद अब्दुल मालिक (असमिया), आरोग्य निकेतन ले. ताराशंकर बंद्योपाध्याय (बांग्ला), वेविशाल ले. झवेरचंद मेघाणी (गुजराती), कव्वे और काला पानी ले. निर्मल वर्मा(हिंदी), पर्व ले. एस.एल. भैरप्पा (कन्नड), मनोज दासंक कथा ओ काहीणी ले. मनोज दास (ओड़िया), मढ़ी दा दीवा ले. गुरदियाल सिंह(पंजाबी), शिल नेरंगळिल शिल मणितर्कळ ले. जयकांतन (तमिल), इल्लु ले. राचाकांडा विश्वनाथ शास्त्री (तेलुगु) और एक चादर मैली सी ले. राजिन्दर सिंह बेदी (उर्दू)।

राष्ट्रीय रक्षक

उपराष्ट्रपति द्वारा भारतीय साहित्य की 10 महान कृतियों के चीनी तथा रूसी भाषाओं में अनुवादों की घोषणा

नवंबर 30, 2020 • Snigdha Verma

भारत के क्षेत्रीय साहित्य के अनुवाद से देश की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत विदेशों तक पहुँचेगी - उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू

नई दिल्ली । शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की आभासी बैठक के दौरान आज भारत के उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने आधुनिक भारतीय साहित्य की 10 कालजयी कृतियों के चीनी तथा रूसी अनुवादों के पूर्ण होने की घोषणा की। यह घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय क्षेत्रीय साहित्य की इन अद्वितीय कृतियों के चीनी तथा रूसी भाषाआsa में अनुवाद से भारत की प्राचीन और समृद्ध भारतीय सांस्कृतिक विरासत में दूसरे देशों के लोगों की व्यापक रुचि उत्पन्न होगी।

ज्ञात हो कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जून 2019 में कजाकिस्तान की राजधानी बिश्केक में हुए एससीओ शिखर सम्मेलन में घोषणा की थी कि भारतीय भाषाओं की 10 महान कृतियों का चीनी तथा रूसी भाषा में अनुवाद किया जाएगा। तदनुसार] साहित्य अकादेमी ने आधुनिक भारतीय साहित्य से 10 भारतीय भाषाओं की 10 कृतियों का चयन किया तथा इनका चीनी तथा रूसी अनुवाद प्रकाशित किया। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 10 नवंबर 2020 को एससीओ प्रमुखों की आभासी बैठक में साहित्य अकादेमी द्वारा इनके अनुवाद पूर्ण किए जाने की घोषणा की थी।

साहित्य अकादेमी ने इस अवसर पर इन पुस्तकों के अंग्रेज़ी संस्करणों का भी पुनर्मुद्रण किया है। चीनी तथा रूसी भाषाओं में अनूदित ये भारतीय कृतियाँ हैं - सूरुजमुखीर स्वप्न ले. सैयद आब्दुल मालिक (असमिया) आरोग्य निकेतन ले. ताराशंकर बंद्योपाध्याय (बाङला)] वेविशाल ले. झवेरचंद मेघाणी (गुजराती)] कव्वे और काला पानी ले. निर्मल वर्मा (हिंदी)] पर्व ले. एस.एल. भैरप्पा (कन्नड)] मनोज दासंक कथा ओ काहीणी ले. मनोज दास (ओड़िया)] मढ़ी दा दीवा ले. गुरदियाल सिंह (पंजाबी)] शिल नेरंगळिल शिल मणितर्कळ ले. जयकांतन (तमिळ)] इल्लु ले. राचाकांडा विश्वनाथ शास्त्री (तेलुगु) और एक चादर मैली सी ले. राजिन्दर सिंह बेदी (उर्दू)।

उपराष्ट्रपति ने की चीनी–रूसी भाषा में अनुवादित 10 कृतियों की घोषणा

बिलाल सब्ज़वारी

नई दिल्ली। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की आभासी बैठक के दौरान भारत के उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने आधुनिक भारतीय साहित्य की 10 कालजयी कृतियों के चीनी तथा रूसी अनुवादों के पूर्ण होने की घोषणा की। यह घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय क्षेत्रीय साहित्य की इन अद्वितीय कृतियों के चीनी तथा रूसी भाषाओं में अनुवाद से भारत की प्राचीन और समृद्ध भारतीय सांस्कृतिक विरासत में दूसरे देशों के लोगों की व्यापक रुचि उत्पन्न होगी।

ज्ञात हो कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जून 2019 में कज़ाकिस्तान की राजधानी बिश्केक में हुए एससीओ शिखर सम्मेलन में घोषणा की थी कि भारतीय भाषाओं की 10 महान कृतियों का चीनी तथा रूसी भाषा में अनुवाद किया जाएगा। तदनुसार साहित्य अकादमी ने आधुनिक भारतीय साहित्य से 10 भारतीय भाषाओं की 10 कृतियों का चयन किया तथा इनका चीनी तथा रूसी अनुवाद प्रकाशित किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 10 नवंबर 2020 को एससीओ प्रमुखों की आभासी बैठक में साहित्य अकादमी द्वारा इनके अनुवाद पूर्ण किए जाने की घोषणा की थी। साहित्य अकादमी ने इस अवसर पर इन पुस्तकों के अंग्रेजी संस्करणों का भी पुनर्मुद्रण किया है। चीनी तथा रूसी भाषाओं में अनूदित इन भारतीय कृतियों में सूरजमुखीर स्वप्न ले. सैयद अब्दुल मालिक (असमिया), आरोग्य निकेतन ले. ताराशंकर बंद्योपाध्याय (बाङ्ला), वेविशाल ले. झवेरचंद मेघाणी (गुजराती), कव्वे और काला पानी ले. निर्मल वर्मा (हिंदी), पर्व ले. एस.एल. भैरप्पा (कन्नड), मनोज दासंक कथा ओ काहीणी ले. मनोज दास (ओड़िया), मढ़ी दा दीवा ले. गुरदियाल सिंह (पंजाबी), शिल नेरंगळिल शिल मणितर्कळ ले. जयकांतन (तमिल), इल्लु ले. राचाकोंडा विश्वनाथ शास्त्री (तेलुगु) और एक चादर मैली सी ले. राजिन्दर सिंह बेदी (उर्दू) आदि प्रमुख रूप से शामिल हैं।

दस कालजयी कृतियों का चीनी और रूसी भाषा में अनुवाद

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 30 नवंबर।

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की आभासी बैठक के दौरान सोमवार को उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने आधुनिक भारतीय साहित्य की 10 कालजयी कृतियों के चीनी तथा रूसी अनुवादों के पूर्ण होने की घोषणा की। यह घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय क्षेत्रीय साहित्य की इन अद्वितीय कृतियों के चीनी तथा रूसी भाषाओं में अनुवाद से भारत की प्राचीन और समृद्ध भारतीय सांस्कृतिक विरासत में दूसरे देशों के लोगों की व्यापक रुचि उत्पन्न होगी।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जून 2019 में कजाकिस्तान की राजधानी बिश्केक में हुए एससीओ शिखर सम्मेलन में घोषणा की थी कि भारतीय भाषाओं की 10 महान कृतियों का चीनी तथा रूसी भाषा में अनुवाद किया जाएगा। उसी के अनुसार साहित्य अकादेमी ने आधुनिक भारतीय साहित्य से 10 भारतीय भाषाओं की 10 कृतियों का चयन किया तथा इनका चीनी तथा रूसी अनुवाद प्रकाशित किया।

चीनी तथा रूसी भाषाओं में अनूदित ये भारतीय कृतियां सूरुजमुखीर स्वप्न सैयद आब्दुल मालिक (असमिया), आरोग्य निकेतन ताराशंकर बंद्योपाध्याय (बांग्ला), वेविशाल झवेरचंद मेघाणी (गुजराती), कव्वे और काला पानी निर्मल वर्मा (हिंदी), पर्व एसएल भैरप्पा (कन्नड), मनोज दासंक कथा ओ काहीणी मनोज दास (ओड़िया), मढ़ी दा दीवा गुरदियाल सिंह (पंजाबी), शिल नेरंगलि शिल मणितर्कल जयकांतन (तमिळ), इल्लु राचाकोंडा विश्वनाथ शास्त्री (तेलुगु) और एक चादर मैली सी राजिंदर सिंह बेदी (उर्दू) हैं।

दस कृतियों का चीनी-रूसी में अनुवाद

नई दिल्ली | प्रमुख संवाददाता

शंघाई सहयोग सगठन (एससीओ) की आभासी बैठक के दौरान सोमवार को उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने आधुनिक भारतीय साहित्य की 10 कालजयी कृतियों के चीनी तथा रूसी अनुवादों के पूर्ण होने की घोषणा की।

यह घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय क्षेत्रीय साहित्य की इन अद्वितीय कृतियों के चीनी तथा रूसी भाषाओं में अनुवाद से भारत की प्राचीन और समृद्ध भारतीय सांस्कृतिक विरासत में दूसरे देशों के लोगों की व्यापक रुचि उत्पन्न होगी। ज्ञात हो कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जून 2019 में कजाकिस्तान की राजधानी बिश्केक में हुए एससीओ शिखर सम्मेलन में घोषणा की थी कि भारतीय भाषाओं की 10 महान कृतियों का चीनी तथा रूसी भाषा में अनुवाद किया जाएगा। इसके बाद साहित्य अकादमी ने आधुनिक भारतीय साहित्य से 10 भारतीय भाषाओं की 10 कृतियों का चयन किया तथा इनका चीनी तथा रूसी अनुवाद प्रकाशित किया।

इन पुस्तकों का हुआ है अनुवाद

सूरुजमुखीर स्वप्न लेखक सैयद आब्दुल मालिक (असमिया), आरोग्य निकेतन लेखक ताराशंकर बंद्योपाध्याय (बाङ्ला), वेविशाल लेखक झवेरचंद मेघाणी (गुजराती), कव्वे और काला पानी लेखक निर्मल वर्मा (हिंदी), पर्व लेखक एस.एल. भैरप्पा (कन्नड), मनोज दासंक कथा ओ काहीणी लेखक मनोज दास (ओड़िया), मढ़ी दा दीवा लेखक गुरदियाल सिंह (पंजाबी), शिल नेरंगळिल शिल मणितर्कळ लेखक जयकांतन (तमिल), इल्लु लेखक राचाकांडा विश्वनाथ शास्त्री (तेलुगु) और एक चादर मैली सी लेखक राजिन्दर सिंह बेदी (उर्दू)।

साहित्य अकादमी ने किया था रचनाओं का चयन

अब रूसी-चीनी नागरिक भी पढ़ सकेंगे हमारे देश की 10 कालजयी साहित्यिक रचनाएं

पीएम ने गत वर्ष की थी अनुवाद किए जाने की घोषणा, उपराष्ट्रपति ने किया लोकार्पण

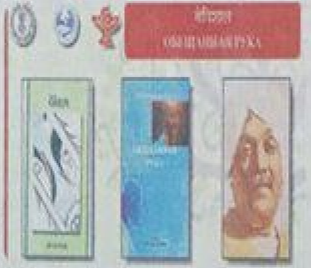

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अहमदाबाद. देश की 10 भारतीय भाषाओं की कालजयी कृतियों का रूसी और चीनी भाषा में अनुवाद पूरा हो गया है। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की वर्चुअल बैठक के दौरान उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने इनकी घोषणा की। इन कृतियों में हिन्दी, उर्दू, गुजराती, असमिया, बांग्ला, कन्नड़, तेलुगु, ओडिया, तमिल व पंजाबी भाषा की रचना शामिल है।

जून 2019 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में हुए शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) में इसकी घोषणा की थी। इसके बाद साहित्य अकादमी ने 10 रचनाओं का चयन कर इन सभी रचनाओं का रूसी व चीनी भाषा में अनुवाद प्रकाशित किया।

इनमें गुजरात के महान लेखक व राष्ट्रकवि झवेरचंद मेघाणी की रचना 'वेविशाल' भी शामिल है। इस उपन्यास का रूसी अनुवाद कुलदीप सिंह वहीं चीनी अनुवाद लिउ जिन्ग्यु ने किया।

साहित्य अकादमी की ओर से वर्ष 2019 में गुजराती कृति 'सात्यकी पर्व' का हिन्दी भाषा में अनुवाद के लिए पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रो. आलोक कुमार गुप्त ने कहा कि किसी भी रचना का किसी भी भाषा में अनुवाद को महत्वपूर्ण माना जाता है। हर भारतीय भाषा में अनुवाद होना चाहिए।

रचनाएं, जिनका हुआ अनुवाद

गुजराती के अलावा इन रचनाओं में उर्दू में राजिन्दर बेदी की कहानी 'एक चादर मैली सी', हिन्दी के ख्यातनाम लेखक निर्मल वर्मा की कहानी संग्रह कृति 'कव्वे और काला पानी', गुरदयाल सिंह लिखित पंजाबी उपन्यास 'मढ़ी दा दीवा', सैयद अब्दुल मलिक रचित असमिया कृति 'सूरजमुखीर स्वप्न', बांग्ला लेखक ताराशंकर बंद्योपाध्याय की कृति 'आरोग्य निकेतन' शामिल है।

इसके साथ ही ओडिया में मनोज दास की लघु कहानी संग्रह मनोज दासंक कथा ओ कहाणी, तमिल के महान लेखक जयकांतन की रचना 'सिल नेरंगलिल सिल मनितर्गल', रचकोंडा विश्वनाथ शास्त्री की तेलुगु कृति 'इल्लु' तथा कन्नड़ के साहित्यकार एस.एल. भैरप्पा का उपन्यास 'पर्व' शामिल है।

> किसी भी रचना का किसी भी भाषा में अनुवाद को महत्वपूर्ण माना जाता है। सांस्कृतिक आदान-प्रदान के लिए काफी अहम है। अनुवाद से देश की सांस्कृतिक पहलू की समझ पैदा होती है।
>
> - प्रो. आलोक कुमार गुप्त, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, केन्द्रीय विवि-गुजरात

> अनुवाद की प्रासंगिकता अब बहुत बढ़ी है। अनुवाद और अनुवादक अब ज्यादा चर्चित हैं। किसी भाषा का अनुवाद सांस्कृतिक दृष्टिकोण से भी काफी अहम होता है।
>
> - प्रो. विमल सिंह, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, भाषा कॉलेज, गुजरात विवि